iNEXT 28-12-2016

अब भूटान के लिए टेक्नोक्रेट्स तैयार करेगा एनएसआई

» एनएसआई डायरेक्टर बुधवार को भूटान विजिट पर रवाना होंगे

kanpur@inext.co.in

KANPUR (27 Dec): एनएसआई डायरेक्टर की सलाह पर जल्द ही रॉयल भूटान की दो डिस्टलरी के मॉडिफिकेशन का काम शुरू किया जाएगा. इसके साथ ही एनएसआई भूटान के लिए शुगर इंडस्ट्री के टेक्नोक्रेट्स भी तैयार करेगा. इसके लिए न्यू इयर में भूटान के कुछ कैंडिडेट्स इंडिया आएंगे. उन्हें एनएसआई कैंपस में टेक्नोलॉजी के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वह अपने देश में जाकर डिस्टलरी में बेहतर परफार्म कर सकें.

6 को कीनिया जाएगा डेलीगेशन

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन सीनियर प्रोफेसर डॉ. श्वेन के साथ बुधवार को भूटान विजिट पर रवाना हो रहे हैं. डायरेक्टर भूटान की दोनों ओल्ड डिस्टलरी का बाकायदा जायजा लेकर उन्हें बेहतर टेक्नोलॉजी से लैस करने के सुझाव देंगे. हिमालय की गोद में बसे भूटान की गवर्नमेंट डिस्टलरी के प्रदूषण को लेकर काफी फिक्रमंद है. वहां प्रदूषण को कैसे कम से कम किया जाए, इस पर टीम काम करना चाहती है. इसके अलावा डॉ श्वेन की लीडरशिप में पांच सदस्यीय डेलीगेशन 6 जनवरी को कीनिया के लिए रवाना हो रहा है.

भूटान गवर्नमेंट एनएसआई से टेक्नोक्रेट्स को ट्रेंड करने की मंशा जताई थी जिसके लिए उनके कैंडिडेट्स को शुगर टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग 15 फरवरी से दी जाएगी. इसके अलावा लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से डिस्टलरी को कैसे अपग्रेड किया जाए, इसके लिए 29 व 30 दिसंबर को डिस्टलरी का जायजा लेने के लिए भूटान जा रहे हैं.

– प्रो नरेन्द्र मोहन,
डायरेक्टर एनएसआई

HINDUSTAN TIMES 28-12-2016

NSI to modernize distillation plants in Bhutan

KANPUR: The National Sugar Institute (NSI) will sign an agreement with Bhutan government for modernisation of the state-owned distillation plants of the Himalayan nation.

A two-member team led by NSI director Prof Narendra Mohan will visit Bhutan on December 28 to finalise the modalities. The team will give final shape to the training schedule for the technical personnel on the issues of steam generation, plant maintenance and enhancing technical efficiency.

Besides, a five-member team was scheduled to visit Kenya on January 6, 2017 for rendering technical advice to sugar, refinery, power generation and distillery units of KIBOS Group.

"We have signed an agreement with the Kenyan group for providing technical consultancy round the year," said Prof Mohan. "Now we are getting more invitations for conducting training programmes, collaborative research and consultancy from overseas," he said.

He said as a result of various measures undertaken by the institute to convert itself into "an institute of eminence" by converting conventional classrooms into smart class rooms, up-gradation of laboratories, setting up of AUTO-CAD and instrumentation laboratories, Nano Brewery and steps taken for faculty development, the institute has been attracting students from abroad.

HTC

दैनिक जागरण **28-12-2016**

विदेशों तक पहुंची शर्करा संस्थान की मिठास

जागरण संवाददाता, कानपुर : हाल ही में थाईलैंड में सल्फर मुक्त चीनी की तकनीक से सभी को अवगत कराकर लौटे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन प्रतिनिधि दल के साथ बुधवार को भूटान रवाना होंगे। वे वहां तकनीकी जानकारियां देने के साथ ही ट्रेनिंग प्रोग्राम पर भी चर्चा करेंगे।

एनएसआइ कानपुर ने हाल ही में सल्फर मुक्त चीनी की तकनीक ईजाद की है। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के मुताबिक, कई देश हमसे ट्रेनिंग प्रोग्राम, संयुक्त शोध और कंसल्टेंसी के लिए संपर्क कर रहे हैं। गन्ना उत्पादन में पोटाश के प्रभाव के आंकलन का प्रोजेक्ट इंटरनेशनल पोटाश लिमिटेड स्विट्जरलैंड से साइन होने जा रहा है। फिजी और तंजानिया की सरकार भी वहां की चीनी मिलों की कंसल्टेंसी के लिए संपर्क में हैं। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन बुधवार को भूटान रवाना हो रहे हैं। वे वहां सरकार द्वारा संचालित डिस्टिलेशन प्लांट के आधुनिकीकरण के प्रस्ताव को अंतिम रूप देंगे। इसके साथ ही ट्रेनिंग प्रोग्राम का भी करार हो सकता है। इसके बाद संस्थान का एक दल छह जनवरी को केन्या रवाना होगा। वहां एक औद्योगिक समूह से करार होना है।

सेवा का महत्व बताया

राष्ट्रीय सेवा योजना की बीएनडी कालेज इकाई के विशेष शिविर में तीसरे दिन मंगलवार को छात्र-छात्राओं को सेवा का महत्व बताया गया। यह जानकारी एनएसएस के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील सिंह ने दी। संचालन अंकित कुमार व रीतू मिश्रा ने किया।

अमर उजाला **28-12-2016**

भूटान के स्टूडेंटों को एनएसआई में मिलेगा प्रशिक्षण

कानपुर (ब्यूरो)। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) की मदद से भूटान के स्टूडेंटों को शराब बनाने और चीनी की गुणवत्ता बढ़ाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसकी शुरूआत 15 फरवरी 2017 से होगी। रॉयल गवर्नमेंट ऑफ भूटान ने एनएसआई से तकनीकी सहयोग मांगा है। साथ ही कहा है कि ट्रेंड मैन पॉवर की जरूरत को पूरा किया जाए। भूटान की दो बड़ी शराब फैक्ट्रियां घाटे में चल रही हैं। इन फैक्ट्रियों को फायदे में लाना है। पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण को कम करना है। इसी सिलसिले में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन बुधवार को भूटान रवाना हो रहे हैं। वह 29-30 दिसंबर को भूटान की दो शराब फैक्ट्रियों का निरीक्षण भी करेंगे।